श्री शत्रुंजय - मुक्ति सम्यग्ज्ञान अभ्यासक्रम

तृतीय वर्ष - अभ्यास - ५

~~अगस्त~~ - २०२१

गुणांक - १००

प्रश्न - पत्र

सूचना: १. नाम और एनरोलमेंट नंबर बिना का पेपर रद्द किया जायेगा। २. लाल स्याही के पेन का उपयोग न करें। ३. समझ में न आये ऐसे अक्षरों वाले जवाब पत्र जांचे नहीं जायेंगे। ४. जवाब पत्र में ही योग्य खाने में जवाब लिखना है, साथ में दूसरा पेपर जोडना नहीं है, जोडने पर तीन मार्क्स काट लिये जायेंगे। ५. जवाब पत्र हर महिने की ता. २५ तक भेजना जरुरी है, आगे-पीछे आए पेपर जांचे नही जायेंगे। ६. सभी जवाब अभ्यासक्रम के आधार पर ही लिखना है। ७. जिस महिने का प्रश्न पत्र है, उसके बाद के महिने की २५ ता. को आपके मार्क्स तथा सही उत्तर इन्टरनेट पर दे दिये जायेंगें, उसके बाद आए हुये उत्तर पत्र स्वीकृत नहीं होंगे तथा फोन पर जवाब नहीं दिया जायेगा। ८. उत्तर पत्र में अभ्यासक्रम का नंबर लिखना जरुरी है।

प्रश्न नं. १ रिक्त स्थान की पूर्ति करो - २०

१. आचार्य, उपाध्याय वगैरह चार प्रकार के श्री..... को शांति हो.... तृष्टि हो..... पुष्टि हो..... ।
२. यदि आपश्री आज्ञा दे तो..... अनुसार साधु जीवन जीकर उसी का सर्वत्र प्रचार करुं ?
३. मिथ्यादृष्टि के ज्ञान को..... कहने में आया है ।
४. मैं .....हूँ, तुम्हारे उत्कृष्ट भाग्य से आकर्षित होकर यहां आयी हूं ।
५. उपशम श्रेणी एक जीव को एक भव में जो ..... से हो तो दो बार होती है ।
६. तीन लोक के प्राणियों को शांति करने वाले और देवेन्द्रों के मुकुटो के द्वार पूजित चरणवाले पुज्य..... भगवान को नमस्कार हो ।
७. उपशांत मोह गुणस्थानक में ..... को संपूर्णतया उपशमित करता है ।
८. सूरि के अद्‌भुत..... का ही यह परिणाम था ।
९. ..... को तेजोलेश्या अथवा शीतलेश्या की लब्धि नहीं है अतः तैजस समुद्‌घात नही है ।
१०. ..... में विचरण करना यह क्या त्यागी साधु का कर्तव्य है ?
११. इस..... संसार का नाश करने के लिये संवर एवं निर्जरायुक्त क्रिया ही आवश्यक है ।
१२. ..... समयज्ञ थे, नियम और अपवाद के जानकार थे ।
१३. दोनों श्रेणियों का आरंभ..... गुणस्थान से होता है ।
१४. पदार्थ के सामान्य धर्म को, जानने की शक्ति..... है ।
१५. स्नात्रविधि करते समय जिस जगह की मर्यादा बांधी हो उसे ..... कहा जाता है ।
१६. ..... यानि आत्मा में होता हुआ स्फुरण, हलन, चलन, स्पंदन अथवा व्यापार ।
१७. गुर्जरेश्वर सिद्धराज जयसिंह ने इस गच्छ को ..... के रुप में परिचित कराया था ।
१८. यह साधु पुरुष उन्हें कोई महान..... पुरुष लगा ।
१९. आर्यरक्षितसूरि ने ..... में समाधिपूर्वक कालधर्म को प्राप्त किया ।
२०. ..... जीवन की वास्तविकता है ।

प्रश्न नं. २ एक शब्द में जवाब लिखो - १५

१. राजा हमीरजी का राजकुंवर कौन था ?
२. जिस मार्ग में साधक उपशम सम्यक्त्व से मोहनीय आदि कर्मो के दबाता जाय उस मार्ग को क्या कहा जाता है ?
३. अनुष्ठानभूमि के मध्य भाग को क्या कहा जाता है ?
४. जयसिंहसूरि किस गच्छ के पट्टधर आचार्य थे ?
५. क्रिया किस स्थान पर है ?
६. पदार्थ के विशेष धर्म को जानने की जीव की शक्ति को क्या कहा जाता है ?
७. किस देश में अनेक मांत्रिक एवं तांत्रिक है ?
८. आत्मस्वरुप के सम्मुख वीर्य की प्रवृति यानि क्या ?
९. वज्रऋषभनाराच संघयण वाला जीव नियम से कहां जाता है ?
१०. दो अज्ञान किसे होते है ?
११. सोलह विद्यादेवियो के नाम किस स्तोत्र में आते है ?
१२. ज्ञान का फल क्या है ?
१३. कौन मानसरोवर में मग्न रहते है ?
१४. आगमोक्त समाचारी के समर्थ पालक कौनसे सूरिजी थे ?
१५. मिश्र मोहनीय कर्म के उदय से जीव कैसा बनता है ?

प्रश्न नं. ३ नीचे दिये गये शब्दों के अर्थ लिखो - १०

१) मणुआ २) आमोद ३) गभ ४) अन्ये ५) मराल ६) अमराधीश ७) विगला ८) भणिअं ९) द्वयं १०) कृतेकाले
११) तिगं १२) वासव १३) पुरम १४) मुक्खो १५) नरपतय १६) आदित्य १७) षोडश १८) इप्सितम १९) अघः

प्रश्न नं. ४ जोडियाँ लगाओ (सिर्फ 'B' के नंबर लिखो) - १०

A	B	A	B
१) एकेन्द्रिय	१) सुहृत	६) शुष्कज्ञानी	६) चार समुद्घात
२) कलत्र	२) धर्मदास	७) महिपाल	७) पथदर्शक
३) चंगदेव	३) अज्ञान	८) सोमाई	८) स्वार्थसिद्ध
४) अहमिन्द्र	४) समयश्री	९) गुणस्थान क्रमारोह	९) सोमचंद्र
५) मिथ्यादृष्टि	५) पू.आ. रत्नशेखर सूरि	१०) परिशोधक	१०) पाप

प्रश्न नं. ५ निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संख्या में लिखो - १०

१. आर्यरक्षितसूरि अपने पीछे कितने आचार्य छोडकर गये ?
२. मनुष्य कितने दर्शन वाले होते है ?
३. सोमचंद्रमुनि ने कितने घंटे अखंड सरस्वतीदेवी का ध्यान कर उन्हें प्रसन्न किया था ?
४. जीव को संसार परिभ्रमण करते हुए उपशमश्रेणी ज्यादा से ज्यादा कितनी बार हो सकती है ?
५. वायुकाय को कितने समुद्घात होते है ?
६. सोलह विद्यादेवियो में महाकाली देवी का नाम कौनसे स्थान पर बोला जाता है ?
७. विकलेन्द्रिय को कितनी दृष्टि होती है ?
८. कौनसे नंबर के गुणस्थान पर दो श्रेणी आती है ?
९. सिद्धहेम व्याकरण कितने श्लोक प्रमाण है ?
१०. बादर वायुकाय को कितने योग होते है ?

प्रश्न नं. ६ नीचे के वाक्य सही (✓) हैं या गलत (×) बताओ - १०

१. आर्यरक्षितसूरि अपने पीछे ३५०५ साधु-साध्वीजी भगवंतो का परिवार छोड गये ।
२. देवेन्द्रसूरि समयज्ञ नहीं थे ।
३. क्रियारहित सिर्फ ज्ञान मोक्षरुपी फल साधने में समर्थ है ।
४. चउरिन्द्रिय को एक दर्शन होता है ।
५. तुम्हारे उत्पन्न हुए पापकर्मो का नाश हो ।
६. नाराच संघयणवाले ग्यारहवें, बारहवें देवलोक तक जाते है ।
७. देवेन्द्रो के मुगट द्वारा पूजित, चरणवाले श्रीअजीतनाथ भगवान को नमस्कार हो ।
८. नारकी को ग्यारह योग होते है ।
९. श्रीहेमचंद्राचार्य के संकेत से राजा को उसका कुंवर मिला ।
१०. शुष्कज्ञानी ज्ञान का निषेध करते है ।

प्रश्न नं. ७ नीचे के वाक्य किस पृष्ठ पर है वह पृष्ठ नंबर लिखो - १०

१. बाह्य क्रिया का ज्ञानी निषेध नहीं करते है ।
२. स्थावर को दो अज्ञान होते हैं ।
३. तुम्हें हमेशा तुष्टि हो, पुष्टि हो, ऋद्धि मिलो, वृद्धि मिलो ।
४. बहुत समय पहले लिखे गये इन सूत्रो का पालन करना इस समय में बहुत दुष्कर है ।
५. परमात्मा के वचनो में श्रद्धा भी न हो और अश्रद्धा भी न हो वह मिश्रदृष्टि है ।
६. क्षपकश्रेणी तो भव मे एक ही बार होती है ।
७. पंचम काल के प्रभाव से हमारी यह स्थिति हुई है ।
८. अचानक उन्हें अपने पास तेज का वर्तुल नजर आया ।
९. आत्मा को कुछ कर्म लगते नहीं है सिद्ध जैसी है ।
१०. मोहजनित प्रमाद कलुषितता को प्राप्त कराता है ।

प्रश्न नं. ८ अपनी भाषा में समझाओ - १५

१. उपशम श्रेणी २) ज्ञान और क्रिया द्वारा मोक्ष प्राप्ति
३. गोदुहकुमार (आर्यरक्षितसूरि) का बचपन । ४) दृष्टि द्वार समझाईये ।
५. सोमचंद्रमुनि की श्रुतदेवी की साधना ।

उत्तर पत्र नीचे लिखे पते पर भेजिए :
शत्रुंजय अेकेडमी श्री पद्मप्रभस्वामी जैन मंदिर, स्टेशन रोड, चालिसगाँव - ४२४१०१ जिल्हा : जलगांव,
मो. ९०२८२४२४८४. सही परिणाम और सही जवाब के लिये वेब साईट www.shatrunjayacademy.com